शुरू हुआ पुस्तक मेला 'पुस्तकायन'

10 दिन चलेगा साहित्य अकादमी का यह मेला

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले के तृतीय संस्करण का शुक्रवार को भव्य उद्घाटन अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत एवं लेखक नवतेज सरना द्वारा किया गया।

साहित्य अकादमी परिसर में आयोजित पुस्तक मेले का उद्घाटन वक्तव्य देते हुए नवतेज सरना ने कहा कि साहित्य अकादमी भारतीय साहित्य का दिल है और यहां 24 भारतीय भाषाओं के बीच भारतीय विविधता में एकता को जीवंत होते हुए देखा जा सकता है। 'पुस्तकायन' पुस्तक मेले के जरिए अकादमी ने एक ऐसी स्वस्थ परंपरा की शुरुआत की है, जो भविष्य में बच्चों और युवाओं को पढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र होती हैं और हमें आगे चलकर एक सच्चे दोस्त की तरह हमारा साथ निभाती हैं।

उन्होंने डिजिटल माध्यमों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें इस माध्यम से कोई समस्या नहीं है लेकिन इसपर उपलब्ध सामग्री का स्तर चिंता में डालने वाला है। इसे साहित्य नहीं कहा जा सकता। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से विशेषतः बच्चों से अनुरोध किया कि वह इंटरनेट, फोन आदि के बजाए किताबें पढ़ने की कोशिश करें, जिससे वह ज्ञानयुक्त हो सकेंगे। अपर सचिव एवं विशेष सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार रंजना चोपड़ा ने पुस्तकायन के तीसरे संस्करण की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसने इतने ही कम समय में काफी लोकप्रियता पाई है और किताबों से पुस्तकों को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने बच्चों से किताब पढ़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके जरिए बच्चे आधुनिक समाज के लिए तैयार होंगे। संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार उमा नंदूरी ने पुस्तक मेले की लगातार उन्नति की सराहना करते हुए कहा कि इससे राजधानी में एक नई पुस्तक संस्कृति का जन्म हो रहा है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वह सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा समय व्यतीत न करें, बल्कि उसकी जगह पुस्तकें पढ़ें।

- साहित्य अकादमी भारतीय साहित्य का दिल : नवतेज सरना
- साहित्य अकादमी से क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य जिंदा है : रंजना चोपड़ा
- 15 दिसम्बर 2024 तक चलेगा पुस्तक मेला

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में माधव कौशिक ने कहा कि साहित्य अकादमी के इस पुस्तकायन की अनोखी बात यह है कि यहां लेखक-पाठक, प्रकाशक, आलोचक सभी को एक मंच प्रदान करता है जो अन्य पुस्तक मेलों में नहीं होता है। साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा कि वर्तमान सोशल मीडिया में सूचनाएं ज्यादा, ज्ञान कम है। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी अतिथियों का स्वागत साहित्य अकादमी की पुस्तकें एवं अंगवस्त्रम भेंट करके किया और अपने वक्तव्य में कहा कि किताबें हमारी ज्ञान की चेतनाओं का विस्तार करती हैं और हमारी दुनिया को नए अनुभवों से भरती हैं।